मूल्य 1 रु.
वर्ष: 12 - अंक : 175, मुंबई, गुरुवार, 18 अगस्त, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादक: दिलशाद एस. खान
दैनिक
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त ®
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रक्षाबंधन के शुभ अवसर पर
काजू कतरी, काजू रोल
बदाम बर्फी, बदाम रोल
केसर पेड़े, पिस्ता लॉज
मिलेगा.
Order Now
www.mmmithaiwala.com
+91 98208 99501
MM MITHAIWALA

‘50 खोखे, एकदम ओके’

मानसून सत्र के पहले दिन शिंदे पर विपक्ष का हमला

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र 17 अगस्त से शुरू हो गया है। सत्र के पहले दिन ही विपक्ष ने सरकार के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया है। सदन के बाहर नारेबाजी करते हुए विपक्ष ने वर्तमान शिंदे सरकार पर हमला किया। सत्र के दौरान विधानसभा की सीढ़ियों पर ही जोरदार नारेबाजी की गई।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

महाराष्ट्र विधानसभा का मानसून सत्र 17 अगस्त से शुरू हो गया है। सत्र के दौरान बाढ़ और अति वर्षा से पीड़ित किसानों को मदद देने में असफल रही सरकार के खिलाफ जमकर विरोध किया

आदित्य का शिंदे पर निशाना

सभी को पता है कि असली मुख्यमंत्री कौन है

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे नीत सरकार पर तीखा प्रहार करते हुए शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे ने बुधवार को कहा कि सभी को पता है कि ‘असली मुख्यमंत्री’ कौन है। उनका इशारा नयी सरकार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के दबदबे की ओर था। मंत्रिमंडल विस्तार पर कटाक्ष करते हुए आदित्य ठाकरे ने कहा कि मंत्रिमंडलीय टीम में न तो मुंबई का और न ही महिलाओं का प्रतिनिधित्व है तथा निर्दलीय विधायकों को भी जगह नहीं मिली है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने पिछले सप्ताह अपने मंत्रिमंडल का विस्तार किया था। शिंदे गुट और भाजपा के नौ–नौ विधायकों को मंत्रिमंडल में शामिल किया था। किसी भी महिला या निर्दलीय विधायक को मंत्रिमंडल में जगह नहीं दी गयी है जबकि विधानसभा में उनकी संख्या 20 है।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

डीजीसीए का एयरलाइंस को निर्देश

सभी यात्रियों को पहनना होगा मास्क, नियम तोड़ने पर सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। कोविड-19 मामलों में लगातार बढ़ोतरी को देखते हुए एयरलाइंस कंपनियों को नए निर्देश जारी किए गए हैं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने कहा कि एयरलाइंस को निर्देश जारी किए हैं कि यात्रा के दौरान यात्री ठीक से फेस मास्क पहने हुए हों और उनका सही तरीके से सैनिटाइजेशन किया गया हो।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

कोरोना संक्रमितों की संख्या फिर से बढ़ने लगी

पात्रा चॉल भूमि घोटाले में ईडी ने फिर शुरू की छापेमारी, संजय राउत भी हैं आरोपी

संवाददाता / मुंबई। पात्रा चॉल घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने मुंबई में एक बार फिर से छापेमारी शुरू कर दी है। बता दें कि इस घोटाले में ही संजय राउत भी आरोपी हैं और फिलहाल जेल में हैं। पिछले दिनों ईडी ने संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत को भी पूछताछ के लिए तलब किया था। 60 वर्षीय राउत को ईडी ने 31 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने राउत के घर पर सुबह-सुबह छापा मारा था। करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया था, इसके बाद देर रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। अदालत ने उन्हें चार अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया था।

(शेष पृष्ठ 3 पर)

हमारी बात

नया मंत्रिमंडल

मंगलवार की सुबह बिहार में 31 नए मंत्रियों का शपथ ग्रहण और दोपहर तक विभागों के बंटवारे की घोषणा बताती है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन सरकार ने बीते पांच-छह दिनों में अपना होमवर्क पूरा कर लिया था। बीते 10 अगस्त को ही नई सरकार वजूद में आई है। यह यकीनन सराहनीय है, क्योंकि हाल के वर्षों में जैसी राजनीतिक संस्कृति हमें देखने को मिली है, उसमें किसी भी गठबंधन सरकार के मुखिया के लिए मंत्रिमंडल का गठन सबसे मुश्किल कार्य हो गया है। महाराष्ट्र की ताजा नजीर हमारे सामने है, जहां मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को अपना मंत्रिमंडल बनाने में करीब 40 दिन लग गए और इसके बाद भी उनके खेमे के विधायकों का असंतोष रोज-रोज सुर्खियां बटोर रहा है। जाहिर है, नीतीश कुमार एक अनुभवी राजनेता हैं और लगातार गठबंधन सरकार का नेतृत्व करते आ रहे हैं, इसलिए शायद उन्हें बहुत मशक्कत नहीं करनी पड़ी। सुखद बात यह है कि उनका मंत्रिमंडल एक समावेशी छवि पेश कर रहा है। लेकिन यहां से महागठबंधन सरकार की चुनौतियां भी शुरू हो रही हैं। सबसे पहले तो सत्ता से बेदखल हुई भाजपा अब प्रतिपक्ष की भूमिका में अधिक आक्रामक रूप से नई सरकार की किसी चूक पर हमलावर होगी, दूसरी तरफ, आम लोगों की बढ़ी हुई आकांक्षाओं को जल्द से जल्द पूरा करने का दबाव भी इस सरकार पर अधिक होगा। मुख्यमंत्री ने स्वतंत्रता दिवस के मौके पर 20 लाख नौकरियां व रोजगार देने का जो एलान किया है, वह एक बहुत बड़ी घोषणा है। अगर इस वादेको जमीन पर उतारने में वह कामयाब हुए, तो इससे न सिर्फ बिहार के नौजवानों का भला होगा, बल्कि गठबंधन बदलने के कदम के मुखर आलोचकों को भी जवाब मिल जाएगा। लेकिन यह काम इतना आसान नहीं है। अव्वल तो उनकी सरकार के पास बमुश्किल तीन साल का वक्त रह बचा है। दूसरा, तमाम सरकारी विभागों की रिक्तियों को भरने के लिए राज्य सरकार को भारी आर्थिक संसाधन की दरकार होगी। बदली राजनीतिक स्थितियों में वह केंद्र से उदार सहयोग की अपेक्षा नहीं कर सकती। इसलिए इस सरकार के सभी मंत्रियों को अपने-अपने विभाग में एक ऐसी कार्य-संस्कृति लानी पड़ेगी, जिसमें न सिर्फ त्वरित फैसले हो सकें, बल्कि उनकी तमाम योजनाएं रोजगारोन्मुख हों। सत्तारूढ़ महागठबंधन में शामिल पार्टियों की नई सियासी गोलबंदी 2024 के आम चुनाव से प्रेरित है। मगर इन दलों को मुगालते में नहीं रहना चाहिए कि शासन के स्तर पर ठोस प्रदर्शन किए बगैर वे सिर्फ सामाजिक गठजोड़ की बदौलत कामयाब हो जाएंगे। ठीक है, नए मंत्रिमंडल में अति-पिछड़े वर्गों को अच्छा-खासा प्रतिनिधित्व दिया गया है। लेकिन मुख्यमंत्री के पास 36 मंत्री रखने की ही सांविधानिक बाध्यता है, और बिहार में राजनीतिक रूप से जागरूक ऐसी अनेक जातियां हैं, जिन्हें मंत्रिमंडल में नुमाइंदगी नहीं मिली है। कोई भी सरकार सभी जातियों को मंत्री पद नहीं दे सकती। ऐसे में, सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए उन्हें संतुष्ट करने की चुनौती हमेशा रहेगी। बिहार को एक स्थिर और बेहद सक्रिय सरकार की जरूरत है, जो वास्तव में बदलाव का एहसास कराए। जैसा नीतीश कुमार-भाजपा गठबंधन के पहले कार्यकाल में हुआ था। तेजस्वी यादव के पास सीधे जनता से जुड़ने वाले विभाग हैं। अगर वह अपने कार्यों से बिहार के लोगों को आश्वस्ति दे सके, तो यह उनके भी हक में होगा व राज्य के हित में भी।

परिवारवाद या अवसर की असमानता?

अगर एक व्यक्ति 20-25 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहता है तब भी योग्य लोगों का अवसर मारा जाता है। अगर एक व्यक्ति के 20-25 साल तक सीएम, पीएम रहने को इस आधार पर सही ठहराया जाएगा कि उस व्यक्ति के करिश्मे से पार्टी जीत रही है तो यह बात परिवारों पर भी लागू होगी।

भारतीय जनता पार्टी के सामने देश की वामपंथी पार्टियों की चुनौती नहीं है और न नई राजनीति शुरू करने के नाम पर दो राज्यों में सरकार बना चुकी आम आदमी पार्टी की है। भाजपा का मुकाबला कांग्रेस और ऐसी क्षेत्रीय पार्टियों से है, जिनकी कमान ऐसे नेता के हाथ में है, जो अपने परिवार की दूसरी पीढ़ी के नेता है या अगर पहली पीढ़ी के नेता हैं तो उनकी दूसरी पीढ़ी सक्रिय हो गई है और उसका स्थान लेने को तैयार है। कांग्रेस और ऐसी पार्टियों को प्रधानमंत्री परिवारवादी बताते हैं और देश के लोगों से उनके प्रति नफरत का भाव पैदा करने की अपील कर रहे हैं। कांग्रेस के अलावा ऐसी क्षेत्रीय पार्टियों में राष्ट्रीय जनता दल, डीएमके, जेएमएम, तृणमूल कांग्रेस, शिव सेना, अकाली दल, वाईएसआर कांग्रेस, तेलंगाना राष्ट्र समिति आदि का नाम लिया जा सकता है। ये बड़ी पार्टियां हैं और इनमें से ज्यादातर ऐसी पार्टियां हैं, जिनको तमाम प्रयास के बावजूद भाजपा नहीं हरा पाई है। प्रधानमंत्री मोदी की दो-दो बार की चुनावी सुनामी में भी इनमें से ज्यादातर पार्टियां अपना अस्तित्व बचाए रखने में कामयाब रहीं और जाहिर है वह जनता के समर्थन से ही हुआ। तभी इनके प्रति नफरत का भाव पैदा करने की बात की जा रही है।

परिवारवाद के खिलाफ बनाए जा रहे विमर्श का यह एक हिस्सा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आजादी के 75 साल पूरे होने के मौके पर लाल किले से अपने भाषण में कहा कि वे जब परिवारवाद की बात करते हैं तो इसे अनिवार्य रूप से राजनीति से जोड़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि देश की सारी संस्थाएं इस बुराई की चपेट में आ गई हैं। उन्होंने संस्थाओं का नाम लिए बना कहा- मैं देशवासियों से खुले मन से कहना चाहता हूं कि हिंदुस्तान की राजनीति, संस्थाओं के शुद्धिकरण के लिए हमें देश को इस परिवारवादी मानसिकता से मुक्ति दिला कर योग्यता के आधार पर देश को आगे ले जाने की ओर बढ़ना होगा। यह अनिवार्यता है वरना हर किसी का मन कुंठित रहता है कि मैं इसके लिए योग्य था लेकिन वहां मेरा कोई चाचा-नाना-पिता-नानी नहीं था को मैं नहीं पा सका। यह मनःस्थिति किसी भी देश के लिए अच्छी नहीं है। सुनने में यह बात बहुत अच्छी लग रही है। लेकिन सवाल है कि प्रधानमंत्री मोदी के आठ साल के शासन के बाद किस संस्था में चाचा-चाची-नाना-नानी या पिता की वजह से नियुक्ति हो रही है? क्या देश की सारी संस्थाएं प्रतिभा के दम पर नियुक्ति नहीं कर रही हैं? क्या संघ लोक सेवा आयोग यानी यूपीएससी के जरिए होने वाली नियुक्तियां प्रतिभा के अलावा किसी अन्य योग्यता के आधार पर हो रही हैं? क्या सेना में या सेना के अनुसंधान से जुड़ी संस्थाओं में, इसरो में या एटॉमिक एनर्जी के क्षेत्र में या सार्वजनिक उपक्रमों में नियुक्ति का पैमाना वंशवाद है? क्या संस्थाओं, आयोगों आदि के प्रमुख वंशवाद के आधार पर नियुक्त हो रहे हैं? क्या विश्वविद्यालयों में नियुक्तियां परिवारवाद के आधार पर हो रही हैं? कहां ऐसा हो रहा है? क्या ऐसा नहीं है कि खुद मोदी सरकार रिटायर 'बाबुओं' को संस्थाओं में नियुक्त कर रही है? क्या मोदी सरकार सेवा विस्तार देकर चुनिंदा अधिकारियों के सहारे सरकार नहीं चला रही है? क्या इससे योग्य व प्रतिभावान अधिकारी कुंठित नहीं हो रहे होंगे? क्या मोदी सरकार ने लैटरल एंट्री से सीधे संयुक्त सचिव बनाना नहीं शुरू किया है और क्या उसमें नियुक्तियां सिर्फ प्रतिभा के दम पर हुई हैं? क्या विश्वविद्यालयों और तकनीक व प्रबंधन के अन्य शैक्षिक संस्थाओं में खास वैचारिक प्रतिबद्धता के दम पर नियुक्तियां नहीं हो रही हैं?

असलियत यह है कि देश में अच्छी नौकरी और रोजगार के अवसर समाप्त हो रहे हैं। खुद सरकार ने संसद के पिछले सत्र में बताया कि पिछले आठ साल में केंद्र सरकार की नौकरियों के लिए 22 करोड़ लोगों ने आवेदन किया, जिसमें से सिर्फ 7.22 लाख लोगों को नौकरी मिली यानी 21 करोड़ 92 लाख 78 हजार नौजवानों को निराश होना पड़ा। क्या इससे उनके मन में कुंठा पैदा नहीं हो रही होगी? सेना में बहाली के लिए कई साल की तैयारियों के बाद जब वैकेंसी नहीं निकले तब युवाओं के मन में कुंठा पैदा होती है। लिखित और शारीरिक परीक्षा पास कर लेने के बाद भी सेना में नौकरी का नियुक्ति पत्र नहीं मिले तब कुंठा पैदा होती है। 14 साल की जगह बिना पेंशन के चार साल की नौकरी मिले तब कुंठा पैदा होती है। हर साल नौकरियों की संख्या घटती जाए तब कुंठा पैदा होती है। अच्छे संस्थान से पढ़ाई और ऊंची नौकरी करने वालों को सीधे भारत सरकार में संयुक्त सचिव बना दिया जाए तब कुंठा पैदा होती है। असल में अवसर की असमानता को ढकने के लिए उसके ऊपर परिवारवाद का आवरण डाला जा रहा है। परिवारवाद के कारण कुछ जगह हो सकता है कि कुछ लोगों की नियुक्ति हुई हो लेकिन उनकी संख्या उंगलियों पर गिनी जा सकती है, जबकि कुंठित नौजवानों की संख्या करोड़ों में है। अपने गढ़े गए विमर्श को स्थापित करने में प्रधानमंत्री इतना आगे बढ़ गए कि वे खेल-कूद को भी इसमें घसीट लाए। उन्होंने कहा- हमने देखा पिछले दिनों खेलों में। ऐसा तो नहीं था कि पहले देश में खेल प्रतिभाएं नहीं थीं। लेकिन सेलेक्शन भाई-भतीजावाद के आधार पर होता था। जब पारदर्शिता आई, सामर्थ्य का सम्मान होने लगा तो देखिए आज दुनिया में खेल के मैदान में तिरंगा लहराता है। सोचें, यह कितनी अधूरी बात है? सिर्फ पिछले दिनों हुए कॉमनवेल्थ गेम्स की बात करें तो भारत को 22 स्वर्ण के साथ 61 पदक मिले और भारत चौथे स्थान पर रहा। लेकिन नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से चार साल पहले 2010 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत ने 39 स्वर्ण के साथ 101 पदक जीते थे और दूसरे स्थान पर रहा था। यहां तक कि उससे भी चार साल पहले 2006 में भी भारत को 22 स्वर्ण मिले थे, जितने इस साल मिले हैं। सोचें, जितने पदक भारत को पहले मिले थे, उतने ही या उससे कम मिले तो क्या तरक्की हुई?

असल में अपने राजनीतिक लाभ के लिए प्रधानमंत्री ने जबरदस्ती खेलों को इसमें घसीट लिया। उनको शायद ध्यान नहीं है कि नीरज चोपड़ा से बहुत पहले ओलंपिक में भारत का पहला इंडिविजुएल गोल्ड मेडल अभिनव बिंद्रा को मिला था, जो जाने-माने खेल प्रशासक आईएस बिंद्रा के बेटे थे। वे शायद यह भी भूल गए कि महावीर फोगाट की तीन बेटियों और परिवार की दूसरी लड़कियों ने इस देश को पदक दिलाया है। वे यह भी भूल गए कि चंदगी राम और सतपाल की बेटियों और दामादों ने भारत के लिए पदक जीता है। वे यह भी भूल गए कि मेजर ध्यानचंद और उनके भाई मेजर रूप सिंह ने इस देश को ओलंपिक खेलों में हॉकी का गोल्ड दिलाया था। मेजर ध्यानचंद के बेटे अशोक कुमार ने भी हॉकी के खेल में भारत का मान बढ़ाया है। महान एथलीट मिल्खा सिंह के बेटे जीव मिल्खा सिंह ने भी खेलों में भारत का नाम ऊंचा किया है। जहां तक राजनीति का सवाल है तो वहां भी योग्य और प्रतिभाशाली लोगों का अवसर सिर्फ इसलिए नहीं मारा जा रहा है कि किसी एक परिवार का व्यक्ति लंबे समय तक शीर्ष पर बैठा है। अगर एक व्यक्ति 20-25 साल तक मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहता है तब भी योग्य लोगों का अवसर मारा जाता है। अगर एक व्यक्ति के 20-25 साल तक सीएम, पीएम रहने को इस आधार पर सही ठहराया जाएगा कि उस व्यक्ति के करिश्मे से पार्टी जीत रही है तो यह बात परिवारों पर भी लागू होगी। उनके करिश्मे से अगर पार्टी जीत रही है तभी तक वे शीर्ष पर हैं या उनकी पार्टी बची हुई है और तभी तक नेता-कार्यकर्ता उनके साथ जुड़े रहते हैं।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:9619102478 /9821238815
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान**, समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

कौसा के चांद नगर परिसर में धूम कंपाउंड स्थित डायमंड नामी

जर्जर इमारत में कभी भी घट सकती है प्राणघातक दुर्घटना

16 परिवार अपनी जान हथेली पर लेकर रहने पर मजबूर

संवाददाता/समद खान

मुंब्रा। कौसा के चांद नगर परिसर में धूम कंपाउंड स्थित डायमंड नामी जर्जर इमारत में 16 परिवार अपनी जान हथेली पर लेकर रहने पर मजबूर हैं बताया जा रहा है कभी भी इमारत ढह सकती है और हो सकती है। प्राणघातक दुर्घटना आपको बताते चलें तकरीबन 6 साल पहले यह इमारत को सत्तार नामी भवन निमार्ता द्वारा तळ अधिक दो मंजिला बनाया गया था और इस इमारत में 16 परिवार रहते हैं सोचने वाली बात तो यह है 6 वर्ष पहले ही बनी इमारत का यह हाल है तो अंदाजा लगाया जा सकता है यह इमारत का काम को सही तरीके से नहीं किया गया और यही कारण है आज इमारत जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है इस जगह के मालिक इम्तियाज धूम बताए जा रहे हैं इस मामले में जर्जर इमारत के रहवासियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले दो दिन पहले इस इमारत की एक मकान का सीलिंग गिर गई वह तो गनीमत रही की सीलिंग मकान में रह रहे बुजुर्ग दंपत्ति पर नहीं गिरी नहीं तो एक बड़ी दुर्घटना अवश्य घट सकती थी फिलहाल बुजुर्ग दंपत्ति द्वारा छत के नीचे बांबू लगाकर सपोर्ट दे दिया

गया है इस डर से कि कहीं पूरी छत नीचे ना गिर जाए इस इमारत के बारे में बताया जा रहा है इस इमारत के कॉलम भीम में हर जगह दरारें पड़ गई है और रहवासियों द्वारा इम्तियाज धूम को संपर्क करने की कोशिश की जा रही है परंतु वह मकान मालिकों का फोन तक नहीं उठाते हैं और जिस मकान की सीलिंग गिरी है वह मकान बुजुर्ग दंपत्ति द्वारा हेवी डिपॉजिट दो लाख पर लिया गया है परंतु मकान मालिक इन बुजुर्ग दंपत्ति का पैसा बीते 1 वर्ष से नहीं दे रहे हैं और ना मकान की मरम्मत करा रहे हैं इस जर्जर इमारत के लोगों का कहना है कि यह इमारत को सही तरह से भवन निर्माता द्वारा बनाया ही नहीं गया है जिसके खामियाजा हम लोगों को भुगतना पड़ रहा है कि हम लोग इस इमारत में मकान लेकर बुरी तरह से फंस गए हैं और हमारी जिंदगी भर की कमाई इस मकान में लग चुकी है और अब हम कहीं के नहीं रहे यह इमारत जर्जर अवस्था में पहुंच चुकी है इसके कॉलम और भीम में पूरी तरह से दरारें पड़ चुकी है हम लोग मजबूरी में अपनी जिंदगी खतरे में डालकर अपने छोटे बाल बच्चों के साथ इस इमारत में रह रहे हैं इस बारे में इम्तियाज धूम द्वारा बताया जा रहा है कि पिछले वर्ष यह इमारत का स्ट्रक्चर ऑडिट किया गया था जिस पर बाहरी रूप से काम को कराया गया था और कॉलम और भीम सही है लेकिन मकान मालिकों ने अंदर से काम नहीं करने की वजह से यह हालात हो गए हैं। गौरतलब बात यह है अगर यह इमारत की मरम्मत की जा चुकी है तो फिर क्यों कॉलम और भीम में दरारें पढ़ती हुई साफ नजर आ रही है फिलहाल मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति के कार्यकारी अभियंता धनंजय गोसावी और सहायक आयुक्त सागर सालुंके से अनुरोध किया जाता है कि कृपया इस जर्जर इमारत का पूरी तरह से संज्ञान ले और उचित कदम इस इमारत को लेकर उठाए जाएं ताकि इस इमारत में रह रहे 16 परिवार पर भविष्य में कभी भी कोई अकाल्पनिक प्राणघातक दुर्घटना न घट सके क्योंकि कुछ दिन पहले ही कल्याण फाटा परिसर में 5 मंजिला इमारत का एक हिस्सा गिरने से लोगों की जान जाने से बच गई है।

कंटेनर की कार से टक्कर में एक ही परिवार के 5 सदस्यों की मौत

पुणे। महाराष्ट्र के अहमदनगर-पुणे हाईवे पर रंजनगांव एमआईडीसी के पास बीती रात सड़क दुर्घटना में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई और एक घायल हो गया। बताया जा रहा है कि गलत साइड से आ रहे कंटेनर से कार की टक्कर के बाद यह हादसा हुआ। एसपी अभिनव देशमुख ने बताया कि हादसे के बाद कंटेनर चालक फरार हो गया। रंजनगांव थाने के पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे के वक्त एक ही परिवार के छह सदस्य कार में पुणे जा रहे थे। दरअसल महाराष्ट्र के पुणे जिले में बुधवार को तड़के सड़क पर गलत दिशा से जा रहे एक कंटेनर की कार से टक्कर हो गई। इस हादसे में कार में सवार तीन बच्चों समेत एक ही

परिवार के पांच सदस्यों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा पुणे-अहमदनगर राजमार्ग पर रंजनगांव के पास देर रात करीब डेढ़ बजे हुआ। रंजनगांव थाने के एक अधिकारी ने बताया कि एक परिवार के छह सदस्य कार में पुणे जा रहे थे। पुलिस अधिकारी के अनुसार जब कार सवार लोग करेगांव के पास पहुंचे, तो गलत दिशा से आ रहा एक कंटेनर से उनकी टक्कर हो गई। दुर्घटना में परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि एक महिला घायल हो गई। उन्होंने बताया कि मरने वालों में तीन बच्चे थे, जिनमें चार साल की बच्ची भी शामिल है। वहीं दो अन्य पुरुषों की मौत हुई है। उन्होंने बताया कि घायल महिला को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। साथ ही कंटेनर के चालक के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

'50 खोखे, एकदम ओके'

बाढ़ और अति वर्षा से पीड़ित किसानों को मदद देने में असफल रही सरकार के खिलाफ जमकर विरोध किया। विपक्ष ने सरकार को घेरने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उद्धव सरकार गिरने के बाद बिखरी हुई विपक्ष, आज एकजुट और मजबूत नजर आई। विपक्ष ने कहा कि सरकार के तरफ से मिल रही एनडीआरएफ मदद अभी पूरी तरह से परिपूर्ण नहीं है। विपक्ष ने वर्तमान शिंदे से मदद को बढ़ाने की मांग की है। अनुचित तरीके से सरकार बनने के मुद्दे पर भी विपक्ष ने घेरने की कोशिश की है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा हैं कि शिंदे के साथ जितने शिवसेना नेता उद्धव का साथ छोड़कर गए थे, उन्हें बड़ी धन राशि मिली हैं। उसी का मुद्दा बनाकर आज जमकर नारेबाजी '50 खोखे, एकदम ओके' हुई। जिसका मतलब था कि 50 करोड़ मिलने पर सब ठीक हुआ है। वहीं, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर पलटवार करते हुए कहा कि एनडीआरएफ की मदद से हमने बाढ़ पीड़ित किसानों की सहायता की हैं। विपक्ष के पास कोई और मुद्दा नहीं हैं, इसलिए वो एक ही मुद्दे को उठा रहे हैं।

आदित्य ठाकरे का शिंदे पर निशाना

शिंदे द्वारा जून में शिवसेना नेतृत्व के विरूद्ध बगावत करने पर सबसे पहले जिन 14-15 विधायकों ने उनका साथ दिया था, उन्हें भी मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिला है। आदित्य ठाकरे ने विधानमंडल के बाहर संवाददाताओं से बातचीत में तंज कसते हुए कहा,... वफादारी के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, सभी को पता है कि असली मुख्यमंत्री कौन है। उनका इशारा फडणवीस की ओर था जिनके पास गृह, वित्त एवं कई अन्य महत्वपूर्ण विभाग हैं। मंत्रिमंडल विस्तार के बाद शिवसेना के उद्धव ठाकरे धड़े ने यह कहते हुए शिंदे सरकार की आलोचना की थी कि अहम विभाग भाजपा को दे दिये गये हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा, निर्दलीय विधायकों को कोई जगह नहीं मिली है। न तो महिलाओं को और न ही मुंबई को मंत्रिमंडल में कोई जगह मिली है। मुंबई से एकमात्र कैबिनेट मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा हैं जो दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल से भाजपा विधायक हैं। जब शिंदे ने शिवसेना नेतृत्व के विरूद्ध बगावत की थी, तब करीब 10 निर्दलीय विधायकों ने उनका साथ दिया था।

डीजीसीए का एयरलाइंस को निर्देश

यदि कोई यात्री निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो एयरलाइन द्वारा यात्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। वहीं, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वीके पॉल ने कहा कि कोविड-19 अभी भी बना हुआ है। हम मामलों की संख्या में बदलाव की भविष्यवाणी नहीं कर सकते हैं इसलिए हमें सतर्क रहने और एहतियाती खुराक लेने की जरूरत है। कोवैक्सिन और कोविशील्ड के साथ अब कॉर्बेवैक्स वैक्सीन भी लगाया जा सकता है। बता दें कि देश के कई राज्यों में कोरोना केस एक बार फिर बढ़ रहे हैं।

संजय राउत भी हैं आरोपी

इसके बाद उनकी रिमांड आठ अगस्त तक बढ़ाई गई थी। मुंबई पश्चिमी उपनगर के गोरेगांव स्थित सिद्धार्थ नगर के पात्रा चॉल के 47 एकड़ जमीन पर 672 परिवारों के घरों के पुनर्विकास के लिए साल 2007 में सोसायटी द्वारा महाराष्ट्र हाउसिंग डेवलपमेंड अथॉरिटी (म्हाडा) और गुरू कंस्ट्रक्शन कंपनी के बीच करार हुआ था। इस करार के तहत कंपनी को साढ़े तीन हजार से ज्यादा फ्लैट बनाकर म्हाडा को देने थे।

दैनिक मुंबई हलचल अब हर सच होगा उजागर 5

मुख्यमंत्री एकनाथ ने जेनेरिक आधार के तहत 51 नई दवाओं को किया लॉन्च

मुंबई। भारत में हेल्थकेयर को और भी अधिक किफायती बनाने के लक्ष्य के एक कदम और नजदीक पहुँचते हुए जेनेरिक आधार के संस्थापक व सीईओ, अर्जुन देशपांडे ने आज भारत में उपभोक्ताओं के लिए 51 नई दवाएँ शुरू करने की घोषणा की। यह दवाएँ अब लोगों को 80% कम कीमत पर उपलब्ध होंगी। इन उत्पादों के लॉन्च की घोषणा के अवसर को अपनी गरिमामयी उपस्थिति से अभिभूत करते महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री श्री एकनाथ शिंदे क स्वतंत्रता दिवस तथा हेल्थेकेयर क्रान्ति का उत्सव मनाने पहुंचे इस अवसर पर अंतर्राष्ट्रीय कुश्ती पहलवान द ग्रेट

खली, और बॉलीवुड के लोकप्रिय विलेन गुलशन ग्रोवर भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। भारत के अग्रणी फार्मा स्टार्टअप, जेनेरिक आधार ने पुराने फार्मा जगत के समकक्ष एक नया इकोसिस्टम खड़ा कर दिया है। 16 वर्ष की अल्पायु में अर्जुन द्वारा स्थापित यह कंपनी अपने फ्रैंचाईजी स्टोर्स के माध्यम से लोगों को किफायती दामों पर उच्च-गुणवत्ता वाली दवाएँ उपलब्ध कराने के लिए सीधे विनिमार्ताओं के साथ काम करते हुए फार्मा सेक्टर में नई क्रान्ति लेकर आई है। जेनेरिक आधार के संस्थापक व सीईओ, अर्जुन देशपांडे कहते हैं, टियर II v III शहरों पर विशेष रूप से फोकस करते हुए जेनेरिक आधार निम्नतम संभव लागत में लोगों के लिए दवाएँ उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। अपने इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए हमने जेनेरिक आधार के सभी प्लैटफार्म पर 51 नई दवाएँ लॉन्च की हैं। यह कुछ आम समस्याओं की दवाएँ हैं जैसे कि पथरी, न्यूरोपैथिक दर्द, सामान्य सर्दी, खांसी, एलर्जी, व फंगल इन्फेक्शन। हम देश के 130 करोड़ लोगों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली दवाएँ तैयार कर रहे हैं। उद्यमिता की बढ़ती मांग के साथ ही हमें भविष्य में सफलता की कई कहानियों में अपना योगदान देने पर गर्व महसूस हो रहा है।

होपमिरर फाउंडेशन द्वारा धानसर गांव में नि:शुल्क नेत्र जांच का आयोजन

होपमिरर फाउंडेशन ने भारत के 75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर एक विशेष समारोह करने का निर्णय लिया और होपमिरर फाउंडेशन ने सार्थ नेत्रालय और प्रहार ऑप्टिकल के सहयोग से धानसर गांव में जरूरतमंदों के लिए नि:शुल्क नेत्र जांच का आयोजन किया। जिसमें उन्होंने सभी का नि:शुल्क नेत्र जांच और निराश्रितों को नि:शुल्क चश्मा वितरित किया। साथ ही जरूरतमंदों को आंखों की सभी सर्जरी पर छूट देने का फैसला किया। होपमिरर फाउंडेशन संस्था विभिन्न गतिविधियों का संचालन करता है और गरीबों की मदद करता है। इस अभियान के माध्यम से होपमिरर फाउंडेशन ने जरूरतमंदों

की आंखों की समस्याओं में मदद की। इस अभियान का लाभ सभी ग्रामीणों को मिला। 'धानसर मेरा मूल गांव है और धानसर गांव में में और मेरी टीम द्वारा आयोजित इस अभियान के लिए मैं बहुत खुश हूं। मैं हमेशा अपने गांव के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ करने की कोशिश करूंगा।' होपमिरर फाउंडेशन के अध्यक्ष रमजान शेख ने यह बात कही। इस अवसर पर होपमिरर फाउंडेशन के अध्यक्ष रमजान शेख, अकरम शेख, आशिष कदम, अरमान शेख, मौज्जम शेख, सार्थ आई क्लिनिक के वैभव बांदल, कुलदीप दामगुडे विनया पाटील, प्रहार ऑप्टिकल के नारायण आडे और धानसर गांव के अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

मनाया गया आजादी का 75वां अमृत महोत्सव

75 वां अमृत महोत्सव 15 अगस्त स्वतंत्रता दिन के शुभ अवसर पर विद्यार्थियों को किताब पेन पेंसिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मा राज्य गृह मंत्री कृपाशंकर सिंह भाजपा के उपस्थिति में आयोजक भाजपा पंजाबी सेल उत्तर मध्य जिला अध्यक्ष लीडर सिंग दीपेंद्र सिंग जीएस सर्वजीत सिंग मथारू जीपी सिंग दारा सिंग आदि कार्यकर्ता उपस्थित थे।

खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी शिव ने अपना अवतरण दिवस सादगीपूर्ण मनाया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। खण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक मेहराजसिंह सेजू ने बताया कि आज दिनांक 17 अगस्त 2022 को डॉ विष्णुराम बिशनोई खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शिव अवतरण दिवस पर वाल्मीकि परिवार से बहिन किरण एवं अनुराधा सारस्वत के द्वारा तिलक लगाकर रक्षासूत्र बांधा गया एवं गुड़ खिलाकर सादगीपूर्ण जन्म दिवस मनाया। इस अवसर पर डॉ राजेश गोदारा, मेहराज सिंह सेजू बीपीएम, गजेंद्र सिंह एलडीसी, विक्रमपाल, लालसिंह, खेत सिंह, केशी, सुनीता एवं सीएचसी, ब्लॉक ऑफिस स्टॉफ मौजूद रहे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार दिलीप कुमार सैन ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

◆ लोहार जमात इंडिया के लोगों ने आजादी के 75 वर्ष बड़ी धूमधाम से मनाया और डाकिया रोड़, कुर्ला, मिरा रोड़, ऊन पाटिया, सुरत, अंकलेश्वर, आनंद, हिम्मत नगर, झुन्झुनू, बिलाड़ा, हर जगह से लोहार जमात इंडिया ने मिलकर आजादी का जश्न बड़ी शान से मनाया। इस जश्न में लोहार जमात इंडिया के पद अधिकारी भी मौजूद रहे।

जोधपुर में महासम्मेलन को लेकर रावणा राजपूत समाज की मातृशक्ति महिला मोर्चा की बैठक आयोजित

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। जोधपुर में डालडा बिल्डिंग स्थिति श्री अखिल रावणा राजपूत सेवा संस्थान जोधपुर के महासम्मेलन कार्यालय मे सेवा संस्थान जोधपुर शहर महिला युवा अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सदस्य श्रीमती वंदना सांखला के नेतृत्व में समाज की प्रबुद्ध मातृशक्ति एवं शहर महिला जिलाध्यक्ष श्रीमती शशि शोभावत के साथ एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 23 सितंबर 2022 को हाइफा हीरो मेजर दलपत सिंह जी के बलिदान दिवस पर एक महासम्मेलन का आयोजन जो की जोधपुर की धरा पर होने जा रहा है, उसे किस तरह सफल से सफलतम बनाया जाए तथा उसमे महिलाओं की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित की जाए। बैठक में भाग लेने वाली मातृशक्ति जिलाध्यक्ष श्रीमती शशि शोभावत, महामंत्री डिम्पल सांखला, युवा महिला प्रकोष्ठ महामंत्री पार्षद अल्का पंवार, रीटा शेखावत, प्रेमलता जी, इंदिरा सिसोदिया, वीना चौहान, सीमा भाटी, रचना परिहार, ज्योति गहलोत, कृष्णा पंवार, सरोज

राठौर, चंद्रकला चौहान, सोनल चौहान, डिम्पल भाटी, प्रीति सिंह, कृष्णा सोलंकी, पद्मा गहलोत, रेणुका सोलंकी, कृष्णा जी, वर्षा चौहान, लीला भाटी, लीना सिंह, प्रेम शेखावत, प्रेम जी व गिरिजा भाटी। बैठक के मुख्य बिंदुः 1. निमंत्रण के लिए टीम का गठन, 2. क्षेत्रवार बैठक, 3. सहायता राशि का निर्धारण, 4. महिलाओं की वेशभूषा, 5. अनुशासन इत्यादि। आगामी दिवस मे होने वाले युवा प्रशिक्षण पर भी चर्चा की गई। बैठक मे अध्यक्ष श्रीमती वंदना सांखला ने सभी मातृशक्ति को सुझाव के लिए आमंत्रित किया। जिसमें सर्वप्रथम जिलाध्यक्ष श्रीमती शशि शोभावत अपने विचार व सुझाव रखे। एडवोकेट ज्योति गहलोत ने अपने सुझाव के साथ अपना ये मत रखा की हम किस प्रकार इस महासम्मेलन मे आने के लिए लोगों को प्रेरित कर सकते हैं। तत्पश्चात सदन मे उपस्थित महासम्मेलन के अध्यक्ष व राष्ट्रीय सचिव श्री राजेन्द्र सिंह राखी, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री देवी सिंह सिसोदिया, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह चौहान, कार्यक्रम के कोषाध्यक्ष श्री शिवदानसिह भाटी, प्रदेश महामंत्री दुर्गा सिंह जी व राष्ट्रीय सदस्य श्री हरी सिंह पंवार ने भी अपने सुझाव व कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की।

कालियास स्कूल में अब तक सर्वाधिक अंक लाकर रिकॉर्ड तोड़ने वाली जाह्नवी बाहेती हुई 15 अगस्त पर सम्मानित

दसवीं कक्षा में 94% अंक लाकर विधालय में टॉप पर रही हैं जाह्नवी बाहेती

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा जिले की आसींद तहसील के कालियास कस्बे की कक्षा 10 वीं की छात्रा 14 वर्षीय जाह्नवी बाहेती ने दसवीं कक्षा में अब तक का विधालय का रिकॉर्ड तोड़ते हुए 94% अंक लाकर अपने माता-पिता के नाम साथ कालियास कस्बे का नाम रोशन एवं गोरवान्वित किया हैं। इसको लेकर कईयों ने जाह्नवी बाहेती को नकद राशि देकर सम्मानित किया और उसकी हौसला अफजाई की। कस्बे वासियों ने भी जाह्नवी बाहेती का सम्मान किए जाने पर फक्र महसूस किया। जाह्नवी ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को बताया कि उसकी इस सफलता पर माता-पिता के साथ साथ गुरुजनों का हाथ हैं। उसने कहा कि आगे भी वह सर्वाधिक अंक लाने का प्रयास करेगी। गौरतलब हैं कि जाह्नवी बाहेती 94% अंक लाकर विधालय में टॉप पर रही हैं। माता-पिता प्रकाश बाहेती व शिल्पा बाहेती ने कहा कि उन्हें भी अपनी पुत्री जाह्नवी बाहेती पर नाज है। जाह्नवी बाहेती की इस सफलता पर मुंबई हलचल परिवार की तरफ से सौ सौ सलाम और उज्जवल भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएं हैं कि भविष्य में वो सफलता के ऐसे ही किर्तिमान स्थापित करती रहे।

एजुग्रोथ ने किया विद्यार्थियों का सम्मान

एजुग्रोथ चैरिटेबल ट्रस्ट ने 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रम शिक्षा को समर्पित करते हुए मनाया। इस अवसर पर अंधेरी पूर्व स्थित मरोल पाइप लाइन विभाग के एचएससी और एसएससी में अच्छे अंकों से पास हुए तीन-तीन विद्यार्थियों को धनादेश, स्मृति चिन्ह और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। एचएससी और एसएससी परीक्षा में उत्तीर्ण हुए लगभग 150 विद्यार्थियों को भी प्रमाणपत्र देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इसके अलावा जरूरतमंद विद्यार्थियों को नि:शुल्क नोटबुक का वितरण किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने वाले स्थानीय शिक्षकों और अभिभावकों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सहार पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक संजय गोविलकर, महाराष्ट्र राज्य कौशल्य विकास मंडल के अध्यक्ष अनिल जाधव, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, संस्था के विश्वस्त व पूर्व पुलिस अधिकारी डीडी वडमारे, वरिष्ठ पत्रकार सैयद सलमान व संस्थाध्यक्ष अली अहमद खान ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन रतन अस्वारे ने और आभार प्रदर्शन संजय धवारे ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुदेश कडवे, दिलीप कांबळे, गणेश ठोकळे, विजय रामचंद्र सोनताटे, किशोर रणशूर, अशोक कांबले का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

संस्कारित व सुसंस्कृत युवा पीढ़ी ही राष्ट्र का भविष्य: राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'युवा संस्कार अभियान' चलाया गया जिसके अंतर्गत 10 दिन में यज्ञ, भजन व यज्ञोपवीत संस्कार के 50 कार्यक्रम सम्पन्न हुए। यह कार्यक्रम गाजियाबाद के साथ ही साहिबाबाद, नोएडा, इंदिरापुरम ग्रेटर नोएडा, हापुड़, अलीगढ़, फरीदाबाद, पलवल, गुरुग्राम, सोनीपत, करनाल, रोहतक, जींद, जयपुर, बहरोड़, दिल्ली, टीला, जम्मू, हाथरस आदि स्थानों पर आयोजित किए गए। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने कहा कि संस्कारित व सुसंस्कृत युवा पीढ़ी पर ही राष्ट्र का भविष्य टिका है माता पिता के आज्ञाकारी, ईश्वर भक्त व देश भक्त युवाओ को तैयार करना हमारा लक्ष्य है। भारत की आजादी की लड़ाई में आर्य समाज का सर्वाधिक योगदान रहा। अनेको क्रांतिकारी महर्षि दयानन्द सरस्वती से प्रेरणा लेकर आजादी की लड़ाई में कूद पड़े लेकिन आज उन्हें भुलाया जा रहा है, इस पर यह शेर लागू होता है 'जब वक्त गुलशन पर पड़ा तो लहू हमने दिया, अब बहार आयी तो कहते तेरा क्या काम है' आज नयी पीढी को बताने की आवश्यकता है कि आजादी चरखे तकली से भीख में नहीं मिल गई अपितु हजारों लोगों ने अपना बलिदान दिया है। उन क्रांतिकारियों को याद करने की आवश्यकता है। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि बच्चे कच्ची मिटी की तरह होते जैसा वातावरण संस्कार बच्चों को मिलेगे वह वैसे ही बनेंगे। अतः मूल पर ध्यान देना होगा। इस अवसर पर आचार्य प्रेम पाल शास्त्री महेन्द्र भाई, गवेंद शास्त्री, श्रुति सेतिया, के के यादव, डॉ आर के आर्य, सुरेश आर्य, देवेन्द्र आर्य, ममता चौहान, विद्या भूषण आर्य, डॉ गजराज सिंह आर्य, कमल आर्य, मानवेंद्र शास्त्री, अनिता आर्य, राकेश आर्य, जितेंद्र चावला हरचंद स्नेही, स्वतंत्र कुकरेजा, सूर्य देव आर्य राधा भारद्वाज, रामकुमार सिंह, यशोवीर आर्य, वेद प्रकाश आर्य, राम चन्द्र सिंह, दुर्गेश आर्य वरुण आर्य, गौरव झा, देवदत्त आर्य, राजीव कोहली, गोपाल जैन, सुशील बाली, सन्तोष शास्त्री, राम फल खरब, सुन्दर शास्त्री, वीना वोहरा, धर्मपाल आर्य, महेन्द्र टांक, नंद लाल शास्त्री, माताराम शास्त्री, अमरसिंह सेहरावत, वीरेश्व आर्य आदि का विशेष योगदान रहा। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

रालोजपा ने धूमधाम के साथ 75 वे स्वतंत्रता दिवस पर झंडा तोलन कार्यक्रम आयोजित किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

पटना। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश कार्यालय पटना में झंडा तोलन का कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह समस्तीपुर के सांसद प्रिंस राज, नवादा के सांसद चंदन सिंह, पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सह पूर्व सांसद सुरजभान सिंह, वैशाली के एमएलसी भूषण राय, अनुसूचित जाति जनजाति के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्णा राज,युवा प्रदेश अध्यक्ष उपेंद्र यादव एवं महिला प्रकोष्ठ की प्रदेश अध्यक्ष डॉ स्मिता शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष कल्पना शर्मा, प्रदेश संगठन सचिव लक्ष्मी सिन्हा, ममता देवी, करुणा शर्मा, राधा देवी,एवं पार्टी

के तमाम नेता गन कार्यकर्ता गन इस कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रिंस राज ने कहा कि किसी भी व्यक्ति और समाज की तरह राष्ट्र के समक्ष कुछ चुनौतियां सदैव उपस्थित रहती है। इन चुनौतियों का सामना भी आसानी से किया जा सकता है जब राष्ट्र निर्माण के यज्ञ मैं देश की जनता भी भागीदारी बनेगी। डॉ स्मिता शर्मा ने कहा कि वर्ष 1947 का भारत सिर्फ समृद्धशाली, शक्तिशाली ही नहीं बल्कि एक समावेशी, उदार भारत हो। अमीर और गरीब की खाई मिट सके, लोग खुशहाल हो। हर व्यक्ति को अपने विकास की संपूर्ण आजादी हो। वास्तव में हमारे भारत में एक ऐसे समाज की निर्माण हो, जहां अमीर गरीब जात पात ऊंच नीच का भेदभाव ना हो। श्रीमती लक्ष्मी सेना ने कहा कि आज देश का बच्चा-बच्चा तिरंगा हाथ में लिए पूरे जोश से अमृत महोत्सव मना रहा है। जनता देशभक्ति के रंग में रंगी हैं। हर्ष की बात है कि आज हर देशवासी आजादी का अमृत महोत्सव मनाए रही है। कई क्रांतिवीरों ने स्वतंत्रता आंदोलन में अपना बलिदान देकर हमें आजादी दिलाई है। देश के हर नागरिक को आजादी और देशसेवा के महत्व को समझना होगा। देश के विकास में भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। जाति धर्म की भावना से ऊपर उठकर हर किसी को भारतवासी बनना होगा। 'विजय विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा'।

75 वे स्वतंत्र दिवस के अवसर पर जहां एक तरफ हर घर तिरंगा देखने को मिला तो दूसरी तरफ मदरसों में भी ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान गाया गया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

गाजियाबाद। जहां पूरे देश में 75 स्वतंत्रता वर्षगांठ के अमृत मोहत्सव मनाया गया वहीं दूसरी तरफ गाजियाबाद के ग्राम ढ़बारसी के गार ए हीरा मदरसे में ध्वजारोहण कर एक सुर में राष्ट्रगान गाया गया। और पूरे ग्राम ढबरसी में झांकियां निकाली गई साथ ही बच्चों ने करतब किए और देशभक्ति गीत गाकर सबका मन मोह लिया।वही के मदरसे के जिम्मेदारों ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने हिंदू मुस्लिम एकता की लड़ाई लड़ते हुए देश को आजाद कराया था और देश को आजाद कराने के लिए हमारे पूर्वज शहीद हो गए थे और कुछ लोग कहते हैं कि मदरसों में राष्ट्रगान नहीं होता है या ध्वजारोहण नहीं होता है हम उनको बता देना

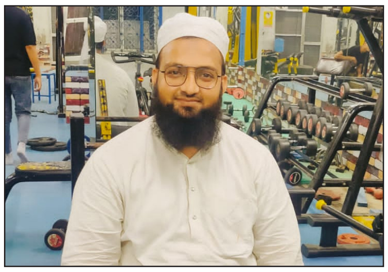

चाहते हैं कि जब से देश आजाद हुआ है भारत के हर मदरसे में राष्ट्रगान भी गाया जाता है और ध्वजारोहण किया जाता है लेकिन हम सोशल मीडिया, अखबार का सही इस्तेमाल नहीं कर रहे थे लेकिन जब से हमारी सरकार ने घर-घर तिरंगा हर घर तिरंगा की बात कही है और हम लोगों को जागरूक भी किया है हमारे मदरसों में हिंदी, उर्दू, अरबी, इंग्लिश की तालीम भी दी जाती है और हम लोग जागरूक हो रहे हैं अब हमने मीडिया का सहारा लेना भी शुरू कर दिया।हमें खुशी इस बात से है कि ऐसे छोटे-छोटे मदरसों से जब डॉक्टर इंजीनियर आईएएस अफसर फौजी या पुलिस निकलेंगे तो देश तरक्की की तरफ चलेगा और हम उम्मीद करते हैं कि जिस तरह से हमारे समाज और क्षेत्र के लोग हमारा साथ दे रहे हैं बस हमें ऐसे ही लोगों का साथ चाहिए। ये रहे मौजूद-कारी साजिद मदरसे के जिम्मेदार, मोहम्मद राशिद मदरसे के जिम्मेदार, मोहम्मद जावेद आलम ग्राम निवासी, आदि।

कानपुर में चेयरमैन और विभागाध्यक्ष ने सम्मानित कर बढ़ाया उत्कृष्ट कार्य वाले कार्डियोलॉजी कर्मियों का मनोबल

चेयरमैन डॉक्टर बिना कृष्णा और विभागाध्यक्ष डॉ राकेश वर्मा ने इमानदारी से कर्तव्य पालन को बताया सच्ची देश सेवा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां आजादी के अमृत महोत्सव को मनाया जाना लगातार जारी है, जिसके तहत उन लोगों को भी सम्मानित किया जा रहा है, जो जनसेवा के किसी न किसी क्षेत्र में अपने कर्तव्य का निर्वहन हर हाल में कर रहे हैं। आजादी के अमृत महोत्सव पर्व पर इसी क्रम में यहां के लक्ष्मीपत सिंघानिया हृदय रोग संस्थान में कार्यरत कर्मचारियों को उनके उत्कृष्ट कार्यो के लिए जोरदार सराहना करते हुए कार्डियोलॉजी के चेयरमैन डॉ विनय कृष्णा और जाने-माने विशेषज्ञ कार्डियक सर्जन विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉक्टर राकेश वर्मा द्वारा सराहना करते हुए सम्मानित भी किया गया, जिससे सम्मान पाने वाले उत्कृष्ट कार्यों में अग्रणी कर्मचारी गदगद भी दिखे। इस मौके पर चेयरमैन डॉ विनय कृष्णा और विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डॉ राकेश वर्मा ने अपने कर्तव्य का ईमानदारी से पालन करने को ही देश और समाज की सच्ची सेवा भी बताया।

जिला स्तर पर सम्मानित होने पर किया स्वागत

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

देवगढ़। स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में देवगढ़ निवासी युवक को जिला स्तर पर सम्मानित किए जाने पर उनका देवगढ़ पहुँचने पर स्वागत किया गया। कानून व्यवस्था एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए मुस्लिम महासभा देवगढ़ ब्लॉक अध्यक्ष देवगढ़ निवासी आशिक मोहम्मद पिता सरवर हुसैन शाह को स्वतंत्रता दिवस पर राजसमंद बालकृष्ण स्टेडियम पर आयोजित समारोह में जिला स्तर पर मुख्य अतिथि गृह एवं न्याय राज्य मंत्री राजेन्द्र सिंह यादव, राजसमंद विधायक दीप्ति किरण माहेश्वरी, जिला कलेक्टर नीलाभ सक्सेना एवं जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी द्वारा मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही जिला पुलिस

अधीक्षक द्वारा पुलिस लाईन में भी प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया एवं उनके हाथों से पौधरोपण करवाया गया। सम्मान कार्यक्रम के बाद आशिक मोहम्मद के देवगढ़ पहुँचने पर उनके परिजनों, रिश्तेदारों एवं मित्रों ने माला एवं पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। स्वागत के दौरान जामा मस्जिद के मौलाना ईरशाद रजा, मुस्लिम महासभा जिला प्रभारी हैदर हुसैन, जिलाध्यक्ष रेहाना पठान, काशम शाह, अफसर हुसैन, शमसुद्दीन शैख, सरफराज अहमद, हकीम उस्ता, मुश्ताक शोरगर, इरफान छिपा, लाल मोहम्मद, शब्बीर शोरगर, शफी मोहम्मद, छोटू शाह, मुराद शाह, जाकिर शाह, शाहबाज हुसैन, आदिल हुसैन, फरहान हुसैन, इनायत शोरगर सहित कई लोग मौजूद थे।

चित्तौड़ गढ यौमे आजादी की खुशी में ओलमा हजरात ने तीरंगा लहराकर वतन की मोहब्बत और खुशी का इजहार किया

संवाददाता/सैय्यद अलताफ हुसैन

चितौड़गढ़। चित्तौड़ छीपा मोहल्लाह नीचे की मस्जिद के बाहर यौमे आजादी की खुशी में ओलमा हजरात और अवाम ने भारत की शान तीरंगा लहराकर खुशी का इजहार किया। जिसमे शहर काजी अब्दुल मुस्तफा, शेरे मेवाड़ मौलाना अब्दुल रशीद बरकाती, मेहबुबुल ओलमा मोहम्मद सिद्दीक नूरी, मौलाना खलील बरकाती, मौलाना रजाउल मुस्तफा, हाफिज युनुस रजा हाफिज जाकिर, हाफिज जावेद, कारी फेज अहमद, मुर्तजा बेग मिर्जा, नीसार अहमद रोड वाले. मोहम्मद अय्यूब, साहेबान ने शिरकत की। सारे जहां से अच्छा हिन्दुस्तां हमारा, हम बुलबुले हे इसकी ये गुलसितां हमारा, ए आबरू दे गंगा वो दीन हे याद तुझको, उतरा तेरे किनारे जब कारवां हमारा।

युवाओं पर एनर्जी ड्रिंक का हो रहा खतरनाक असर

भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को चुस्त-दुरुस्त व फिट रखने के लिए आजकल युवाओं का ध्यान एनर्जी ड्रिंक की तरफ कुछ ज्यादा ही है। मगर यह एनर्जी ड्रिंक युवाओं को एनर्जी देने की अपेक्षा उनकी सेहत से खिलवाड़ कर रहे हैं। अगर आप भी एनर्जी ड्रिंक पीते हैं तो सावधान हो जाएं। दरअसल, एक नए शोध से पता चला है कि एनर्जी ड्रिंक से युवाओं में दुष्प्रभाव हो सकते हैं। इससे न केवल युवाओं का ब्लड प्रैशर बढ़ रहा है, बल्कि हार्ट अटैक तक का खतरा भी बना रहता है। रोजाना एनर्जी ड्रिंक लेने वाले युवाओं में तो कोई न कोई बीमारी घर कर चुकी है। कनाडा के ओंटारियो में वाटरलू यूनिवर्सिटी में किए गए शोध में कहा गया है कि ऐसे ड्रिंक की बिक्री 16 वर्ष से कम उम्र के युवाओं को करने से प्रतिबंधित किया जाना चाहिए।

हाल ही में किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि 12 से 24 साल के 55 प्रतिशत बच्चों को एनर्जी ड्रिंक पीने के बाद स्वास्थ्य संबंधी गंभीर प्रभावों

से गुजरना पड़ा। इनमें हार्ट रेट तेज होने के साथ ही दिल के दौरे भी शामिल थे। शोधकर्ताओं ने 2000 से अधिक युवाओं से पूछा कि वह रैडबुल या मोंस्टर जैसे एनर्जी ड्रिंक को कितनी बार पीते हैं। शोधकर्ताओं ने कहा कि अन्य कैफीनयुक्त पेय की तुलना में जिस तरह से एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया जाता है, उसे देखते हुए एनर्जी ड्रिंक अधिक खतरनाक हो सकते हैं। शोध में पाया गया कि जिन लोगों ने एनर्जी ड्रिंक का सेवन किया था, उनमें से 24.7 प्रतिशत लोगों ने महसूस किया कि उनके दिल की धड़कन तेज हो गई थी। वहीं, 24.1 प्रतिशत लोगों ने कहा कि इसे पीने के बाद उन्हें नींद नहीं आ रही थी। इसके अलावा 18.3 प्रतिशत लोगों ने सिरदर्द, 5.1 प्रतिशत ने दिल घबराने, उलटी या दस्त और 3.6 प्रतिशत लोगों ने छाती में दर्द का अनुभव किया। हालांकि शोधकर्ताओं के बीच चिंता का कारण यह था कि इन युवाओं ने एक या दो एनर्जी ड्रिंक ही लिए थे, फिर भी उन्हें ऐसे प्रतिकूल प्रभावों का अनुभव हो रहा था। अध्ययन के बारे में प्रो. डेविड हैमोंड का कहना है कि फिलहाल एनर्जी ड्रिंक खरीदने वाले बच्चों पर कोई प्रतिबंध नहीं है। करियाने की दुकानों में बिक्री के साथ ही बच्चों को टारगेट करते हुए इसके विज्ञापन बनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि इन उत्पादों के स्वास्थ्य प्रभावों की निगरानी बढ़ाने की जरूरत है।

वजन नहीं बढ़ने देंगे कम फैट वाले ये हैल्दी फूड्स

खाने के बाद एक ही जगह पर बैठे रहने से वजन बढ़ना शुरू हो जाता है। बहुत से लोगों का तोंद बैठे रहने से बाहर निकल आती है, जिसको बाद में कम करने में बहुत परेशानी होती है। कुछ लोग तो इसके लिए डाइटिंग और यहां तक की घंटों जिम में समय बिताते हैं। जिसका नुकसान सेहत पर भी पड़ता है लेकिन यह बात भी सही है कि हैल्दी रहने के लिए खान-पान का सही होना चाहिए। अधूरे पोषण से भी बाद में बहुत परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसके लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि आप किस तरह के स्नैक्स या फूड्स खा रहे हैं और उनमें कितनी कैलोरी है, जो आपको पोषण देने के साथ-साथ वजन को भी कंट्रोल रखेंगी।

आइए जानते है कौन से हैं ये कम कैलोरी वाले फूड्स

1. सेब के साथ लें पीनट बटर

इसे खाने से आपके शरीर को ऊर्जा मिलेगी और वजन पर भी कंट्रोल बना रहेगा। आप दिन में 50 ग्राम सेब को काट उस पर पीनट बटर लगाकर खा सकते हैं। इससे मोटापा का डर नहीं रहेगा।

2. इन फलों का करें सेवन

मोटापे को कम करने के लिए आप अपने आहार में कम कैलोरी वाले फल यानि अनानास, अंगूर और कीवी का सेवन करें। यह आपकी फालतू चर्बी को कम करने में काफी सहायक होगें और पोषण तत्वों की मात्रा भी शरीर में बनी रहेगी।

3. गाजर और मेयोनीज

बढ़ते वजन पर कंट्रोल पाने के लिए गाजर के टुकड़ें और मेयोनीज का इस्तेमाल करें। यह सबसे कम फैट वाला आहार है। इससे टेस्ट भी बना रहेगा और वजन भी नहीं बढ़ेगा।

4. फल और दही

फलों को साथ दही भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। आप 2 चम्मच ब्लूबेरी के साथ आधा कप दही खा सकते हैं। इसके अलावा भी फलों के साथ दही का सेवन करना अच्छा माना जाता है। यह शरीर में जमा एक्स्ट्रा फैट को कम करने का काम करता है।

बच्चों को झूठ बोलने से है रोकना तो करें ये काम

बच्चे बहुत नादान होते हैं। इनका पालन पोषण करना कोई आसान काम नहीं है। सही समय पर उनकी गलतियो को पहचान कर सुधारना पेरेंट्स का फर्ज होता है। कभी-कभार पेरेंट्स की डांट से बचने या किसी ओर कारण से बच्चे झूठ बोल देते है। शुरू-शुरू में छोटी-मोटी बात पर झूठ बोलना बाद में बच्चों की आदत बन जाता है। इसलिए पेरेंट्स का फर्ज है कि उन्हें सही तरीके से समझा कर उनकी इस आदत को दूर करें। जरूरी नहीं कि इसके लिए आप डांट या मार का सहारा लें। आप कई ओर तरीके अपना बच्चे को झूठ बोलने से रोक सकती है। आज हम आपको बताएंगे कि किस तरह आप बच्चे की आदत को दूर कर सकती है।

1. बनें रोल मॉडल

बच्चे ज्यादातर आदतें अपने पेरेंट्स से ही सीखते है। ऐसे में अगर आप उनके सामने छोटी-मोटी बातों को लेकर झूठ बोलेंगे तो वो भी ऐसा ही सीखेंगे। इसलिए बच्चों के सामने झूठ बालने की बजाए उनके लिए रोल मॉडल बनें।

2. प्यार से समझाएं

अक्सर बच्चों के कुछ गलत करने पर आप उन्हें डांटने लग जाते है। इससे बच्चे डर कर आप से झूठ बोलने लग जाते है। इसलिए बच्चे अगर कोई गलती करें तो उन्हें डांटने या मारने की बजाए प्यार से समझाएं। इससे बच्चे का आप पर विश्वास बढ़ेगा और वो आपके खुद आकर अपनी गलती बता देगा।

3. हल निकालें

बच्चे की किसी गलती पर उसके साथ बैठकर उसका सही हल निकालें। इससे उसका आपके प्रति भरोसा बढ़ेगा और वो आपसे झूठ बोलने की बजाए सारी बातें आपको बताएगा, फिर चाहें वो स्कूल या दोस्तों से जुड़ी क्यों न हो।

4. तारीफ करना

अगर बच्चा आकर आपके सामने अपनी गलती मानते है तो उन्हें डांटे नहीं। इसकी बजाए उसके सच बोलने की तारीफ करें और उन्हें गलती का अहसास करवाएं। इससे वो आपसे कभी झूठ नहीं बोलेगा।

ग्रीन टी से बनाएं नैचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स, मिलेगा दोगुना ज्यादा निखार

आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर ग्रीन टी का सेवन सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है। आपने इससे होने वाले कई हैल्थ बेनेफिट्स के बारे में सुना होगा लेकिन आज हम आपको इससे होने वाले ब्यूटी के फायदो के बारे में बताने जा रहें है। ग्रीन टी इस्तेमाल करके आप इससे कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स बना सकती हैं। इससे आपकी स्किन को नैचुरल ग्लो भी मिल जाएगा और कोई नुकसान भी नहीं होगा। एंटी-इंफ्लेमेंटरी के गुणों से भरपूर ग्रीन टी का ब्यूटी प्रोडक्ट्स की तरह इस्तेमाल आपकी स्किन की खूबसूरत को ओर भी बढ़ा देता है। आइए जानते है ग्रीन टी से बनने वाले नैचुरल ब्यूटी प्रोडक्ट्स के बारे में।

1. टोनर

1 कप पानी में दो ग्रीन टी बैग्स, 1 टीस्पून नींबू और खीरे को उबालने के बाद फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। अब इसे स्प्रे बोतल में डालकर मॉइश्चराइजर लगाने के बाद टोनर की तरह इस्तेमाल करें।

2. स्क्रब

1 ग्रीन टी बैग को आधा कप पानी में उबालकर ठंडा कर लें। इसके बाद इसमें 1 टेबलस्पून चीनी मिलाकर चेहरे पर स्क्रब करें। इसे हल्के हाथों से रगड़ कर चेहरा धो लें। ध्यान रहें कि इसमें चीनी घुले नहीं।

3. हेयर क्लेंजर

सबसे पहले बालों को शैम्पू से धो लें। इसके बाद 2-3 ग्रीन टी बैग को उबाल कर उससे बालों को अच्छी तरह धो लें। नियमित रूप से इसका इस्तेमाल बालों को मजबूत, लंबे और शाइनी बनाएगा।

4. एंटी-एजिंग क्रीम

एंटी-एजिंग क्रीम बनाने के लिए ग्रीन टी बैग को 1/2 कप पानी में उबालकर ठंडा करके बोतल में डालें। अब 2 टेबलस्पून ग्रीन टी पानी में 1 टीस्पून विटामिन ए ऑयल मिलाकर सोने से पहले लगा लें। हफ्ते में दो बार इसका इस्तेमाल चेहरे की कई समस्याओं को दूर करता है।

5. फेस मास्क

ग्रीन टी बैग को पानी में उबाल लें। अब ऑयली स्किन के लिए इसमें मुल्तानी मिट्टी और ड्राय स्किन के लिए शहद मिलाएं। नॉर्मल स्किन के लिए इसमें संतरे के छिलके का पाउडर और शहद मिलाकर चेहरे पर लगाएं।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

क्या शादी के मूड में है कृति सेनन?

कृति सेनन इंडस्ट्री की सबसे फिट और खूबसूरत एक्ट्रेस में से एक है। कृति एक कमाल की फिटनेस फ्रीक है और घंटो जिम में पसीना बहा कर अपने आपको मेनटेन रखती है। कृति इन दिनों चर्चा में बनी हुई है, लेकिन यह उनकी किसी फिल्म को लेकर नहीं बल्कि उनकी एक दिली इच्छा को लेकर है जिसे कृति ने हाल ही में लोगों के सामने जाहिर किया है। बॉलीवुड इंडस्ट्री में किसी न किसी के रिलेशनशिप में होने और डेट करने की खबरें सामने आती रहती है। जहां एक तरफ तो इंडस्ट्री के तमाम सितारें किसी न किसी को डेट करने के बारे में बात करते रहते है, तो वहीं एक ओर कृति सेनन ने किसी को डेट करने की बजाय सीधे स्वंयवर करने की इच्छा जाहिर की है। कृति सेनन ने अपनी इस इच्छा को जाहिर किया है जिसे जानकर अब उनका हर एक फैन काफी हैरान है। कृति सेनन ने हाल ही में दिए एक मीडिया इंटरव्यू में अपना स्वयंवर रचाने की अपनी दिल की इच्छा जाहिर की है। कृति सेनन ने न सिर्फ स्वयंवर रचाने की इच्छा जताई है बल्कि उन्होंने यह भी बताया कि वो अपने स्वयंवर में किसे देखना चाहती है। कृति सेनन ने बताया कि वह अपने स्वंयवर में बॉलीवुड एक्टर कार्तिक आर्यन, आदित्य रॉय कपूर, रयान गोसलिंग और विजय देवरकोंडा को देखना चाहती हैं। कई एक्टर को अपने स्वयंवर में देखने की इच्छा जाहिर करने के साथ ही कृति ने विजय देवरकोंडा के बारे में भी बात की। कृति ने कहा कि उन्हें विजय देवरकोंडा काफी अच्छे लगते है। कृति ने यह भी कहा कि विजय उन्हें काफी अच्छे दिखते हैं। कृति कहती है कि उन्होंने विजय के कई इंटरव्यू देखे हैं और वह उन्हें काफी समझदार लगते हैं। कृति सेनन ने अपने स्वयंवर की इच्छा जाहिर करते हुए जहां कुछ बॉलीवुड एक्टर के आने की बात कहीं। वहीं इसके साथ ही कृति सवाल करते हुए पूछती है कि क्या क्या कोई और है जो सिंगल है, जो उनके स्वयंवर का हिस्सा बन सकता है। कृति सेनन ने जबसे अपने दिल की इच्छा जाहिर की है, तबसे हर कोई हैरान है। उनकी बातों से तो यहीं लग रहा है कि शायद कृति सेनन जल्द ही शादी करने के मूड में है।

क्या मां बनने वाली है अंकिता लोखंडे?

टीवी शो पवित्र रिश्ता से अंकिता लोखंडे ने घर घर में अपनी एक पहचान बनाई। अंकिता ने टीवी शो के साथ साथ कुछ फिल्मों में भी काम करके लोगों का दिल जीता है। अंकिता लोखंडे सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती है और अक्सर अपनी और अपने पति के साथ खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती है। हाल ही में अंकिता ने अपने पति के साथ बेहद प्यारी तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों को देखकर पहली नजर में तो यहीं लग रहा है कि अंकिता मां बनने बनने वाली है। अंकिता लोखंडे के फैंस की कोई कमीं नहीं है। उनके फैंस हर वक्त उनकी पर्सनल लाइफ से जुड़ी हुई हर छोटी से छोटी खबर जानने के लिए बेहद उत्साहित रहते है। अंकिता की जबसे शादी हुई है तबसे अंकिता सोशल मीडिया पर काफी छाई रहती है। हाल ही में अंकिता की कुछ तस्वीरों को देखकर हर कोई हैरान रह गया। इन तस्वीरों को देखकर हर कोई यहीं मान रहा है कि अंकिता प्रेंगनेंट है। जबसे यह तस्वीर सामने आई है तबसे इंटरनेट पर तहलका मच गया है। अंकिता लोखंडे ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपने पति के साथ एक से बढ़कर एक पोज देते हुए कुछ तस्वीरें शेयर की है। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद अब अंकिता के प्रेंगनेंसी की खबर जोर पकड़ रही है। इन तस्वीरों में अंकिता लोखंडे और उनके पति विक्की जैन साथ में बेहद प्यारे लग रहे है। अंकिता ब्लू कलर के गाउन में काफी खूबसूरत लग रही है। तस्वीरों में विक्की जिस तरह से अंकिता के पेट पर हाथ रखे है, इसे देखकर अंकिता के प्रेंगनेंट होने के कयास लगाए जा रहे है।

अली असगर ने सालो बाद द कपिल शर्मा शो छोड़ने पर तोड़ी चुप्पी

अली असगर टीवी इंडस्ट्री का एक जाना– माना नाम है। आपको बता दे, द कपिल शर्मा शो और कॉमेडी नाइट्स विद कपिल के बाद एक्टर की पॉपुलैरिटी बढ़ती चली गयी। वही अब अली एक बार फिर अपना जलवा बिखेरने आ रहे हैं। अली 'झलक दिखला जा 10' का हिस्सा बनेंगे। खुशी की बात तो ये है कि इस शो में भी उनका दादी वाला अंदाज देखने को मिलने वाला है। इस बीच ऐसे सवाल उठने लगे है कि अगर उनको ये कैरेक्टर इतना ही पसंद था तो उन्होंने 'द कपिल शर्मा शो' क्यों छोड़ा? अली ने कपिल शर्मा के शो को छोड़ने की भी वजह बताई। उन्होंने कहा, मैं उस किरदार की क्रिएटिविटी से संतुष्ट नहीं था। मेरा नानी वाला कैरेक्टर ग्रो भी नहीं कर रहा था। मैंने इस बारे में टीम को बताया था जब साल 2017 में ऑस्ट्रेलिया जा रहा था। बतौर दादी मेरे पास बहुत कुछ परफॉर्म करने के लिए था लेकिन ऐसा नानी के किरदार के साथ बिलकुल नहीं था। जब मेरा कॉन्ट्रैक्ट रिन्यू करने का समय आया तो मैंने टीम के साथ अपनी आशंकाएं जाहिर की थी और उन्हें बताया था कि मैं इस शो का हिस्सा बनने का इच्छुक नहीं हूं। पर उस वक्त इतना रायरा फैल गया था कि कुछ लोग बात को उस तरफ ले गए और कुछ दूसरी तरफ। इतना कुछ हो गया था कि क्या सफाई देना और क्या बोलना।